INDIATVDNA.COM

https://indiatvdna.com

पद्मिनी एकादशी 2026 अभी जानिए पूरा महत्व और विधि...

विषय सूची (Table of Contents):

>> मुख्य अपडेट्स (Padmini Ekadashi 2026)...

>> क्यों है पद्मिनी एकादशी महत्वपूर्ण?...

>> पूजा-विधि के स्टेप्स...

>> आधुनिक समय में उपयोगी टिप्स...

>> जनता के सवाल (FAQs)...

भक्तों के लिए खुशी की खबर! पद्मिनी एकादशी की तारीख़ के साथ ही यहां तकनीकी विधि और महत्व के बारे में पूरा जानकारी।

मुख्य अपडेट्स (Padmini Ekadashi 2026)

>> तारीख़:26 मई 2026 (चंद्र चतुर्दशी तिथि)

>> समय:दिन में 10:30 से 12:00 बजे तक

>> उपवास:एकादशी के दिन फलों का त्योहार मनाया जाता है

>> पूजा विधि:नींबू-गुड़ के लड़दीवार और सरसों के दीपक

>> मंत्र: ओंकारे श्री भगवाने वैष्णवे नमः ध्यान करें

>> फल:इस तरह करने से मानो सुख, स्वास्थ्य और संतुलन मिलता है

क्यों है पद्मिनी एकादशी महत्वपूर्ण?

पद्मिनी एकादशी को हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखती है। यह चंद्र में सेतु लगने वाली एकादशी होती है, जिसे पूरे भारत में मनाया जाता है। इस दिन गंगा से नहाना और गुड़-नींबू का तीज़हा लेना धार्मिक माना जाता है।

पूजा-विधि के स्टेप्स

>> सुबह खुद को शुद्ध करें और उपवास करें

>> नींबू और गुड़ के साथ लड़दीवार बनाएं

>> दीपक जलाकर गणेश से वेल्चारा करें

>> मंत्रों के साथ 108 अभिषिक करें

>> अंत में थाली में फल रखकर भगवान को भोग चढ़ाएं

आधुनिक समय में उपयोगी टिप्स

आज के समय में भी पद्मिनी एकादशी का महत्व बना हुआ है। इस दिन खुद को खुश रखने और परिवार के साथ मिलकर मनाएं। विशेषकर नए विकास के समय इसका उपयोग करें।

जनता के सवाल (FAQs)

पद्मिनी एकादशी26 मई 2026को मनाई जाएगी। यह चंद्र चतुर्दशी तिथि के साथ आएगी।

उपवास करें, नींबू-गुड़ का तीज़्हा लें और सरसों के दीपक जलाएं। मंत्रों के साथ ध्यान दें।

इस दिन गंगा से नहाना और विशेष मंत्रों के साथ उपासना करने से सुख और समृद्धि प्राप्त होती है।